उत्तराखण्ड राज्य

देवभूमि उद्यमिता योजना

EDII

DUY- Media Coverage

FMDP- Cohort-3
2024-25

Third Cohort of FMDP under DUY concludes

Dehradun, Aug 2 (HTNS): The third and final cohort of the Faculty Mentor Development Program (FMDP) under the Devbhoomi Udyamita Yojana (DUY) concluded with the training of 35 faculty members. This marks the completion of the training for the current financial year, with a total of 93 faculty members now evolved as faculty mentors. Including those trained in the previous year, Uttarakhand boasts 185 faculty mentors to date.

Dr. Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), presented certificates of participation to the new faculty mentors and congratulated them on their achievement. He shared inspiring insights on the resilience of entrepreneurs, emphasizing the internal stability and strength required to navigate adverse situations. His motivating words also highlighted the importance of faculty members serving as role models to inspire future entrepreneurs.

Dr. Deepak Kumar Pandey, state nodal officer for DUY and Assistant Director, Department of Higher Education, Uttarakhand government, interacted with the newly certified faculty mentors. He expressed his deep belief in their pivotal role in shaping the entrepreneurial landscape of Uttarakhand. Dr. Pandey conveyed the state's high hopes, viewing these mentors as torchbearers of a new entrepreneurial wave.

Dr. Amit K. Dwivedi, Professor at EDII and Project Director of DUY, congratulated the new mentors and expressed his satisfaction with the program's successful valediction. He stated that these faculty members would be invaluable assets to the state, helping shift the mindset from job seeking to enterprise creation.

The commencement of this cohort was marked by a campus tour, including key departments such as the library and incubation centre, CrAdLE. Dr. Amit K. Dwivedi led an icebreaking session to foster camaraderie among participants, followed by an insightful session on psychometric tests by Dr. Pankaj Bharati. Dr Satya Ranjan Acharya, took sessions on Start-up Opportunities Identification Process.

The FMDP continues to play a critical role in fostering entrepreneurship in Uttarakhand, equipping faculty members with the skills and knowledge to mentor future entrepreneurs and drive economic growth.

छात्रों को उद्यमियों के रूप में ढाल रहे शिक्षक

देहरादून : राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उद्यमियों के रूप में ढालने की नई भूमिका में शिक्षक भी अच्छी-खासी रुचि ले रहे हैं। फैकल्टी मेंटर के रूप में शिक्षकों की भागीदारी का परिणाम ही है कि उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना में उनकी संख्या अब तक 185 तक पहुंच गई है। शिक्षकों की योजना में सक्रियता छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए कौशल प्रशिक्षण में सहायक सिद्ध हो रही है। अब तक 186 विद्यार्थी अपने उद्यम प्रारंभ कर चुके हैं।

प्रदेश में युवाओं विशेष रूप से राजकीय महाविद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं का कौशल विकास कर उनमें उद्यमशीलता के विकास के लिए देवभूमि उद्यमिता विकास के रूप में महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की गई है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से इस योजना को संचालित किया जा रहा है। भविष्य के उद्यमियों को प्रेरित करने के लिए राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों को फैकल्टी मेंटर के रूप में तैयार किया जा रहा है। उच्च शिक्षा को रोजगारपरक व छात्रों को स्वरोजगार के रूप में स्वावलंबी बनाने के लिए प्रारंभ की गई इस योजना के अब तक अच्छे रुझान सामने आए हैं। अभी तक विभिन्न विषयों का अध्यापन करते रहे शिक्षक भी उद्यमशीलता के मेंटर के रूप में नई भूमिका में हैं।

भावी उद्यमियों को मार्गदर्शन देने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए विद्यार्थियों को कौशल और ज्ञान से दीक्षित करने में उनकी भूमिका उत्साहजनक मानी जा रही है।(राब्यू)

रविंद्रपुरी ने कहा कि तमाम साधु संतों को यह फिल्म दिखाई जाएगी। संवाद

स्मिता बसेरा बनीं फैकल्टी मेंटर

हरिद्वार। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस योजना के तहत श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टिहरी गढ़वाल के राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला हरिद्वार से डॉ. स्मिता बसेरा असिस्टेंट प्रोफेसर जंतु विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर फैकल्टी मेंटर के रूप में वापस उत्तराखंड पहुंचीं। राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला हरिद्वार के प्राचार्य प्रो. युवराज ने उन्हें बधाई दी। संवाद

शिक्षिका प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी

हरिद्वार। राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला की डॉ. स्मिता बसेरा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस लौट आई।

उन्होंने अहमदाबाद में 28 जुलाई से 2 अगस्त तक फैकल्टी मेंटर के रूप में प्रशिक्षण लिया। डॉ. स्मिता बसेरा ने बताया कि इस योजना के तहत विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्राचार्य प्रो. युवराज ने बताया कि इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के 34 अन्य कॉलेजों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम दोनों राज्यों की ओर से चलाया जा रहा है।

देवभूमि उद्यमिता योजना से मिलेगें युवाओं को रोजगार के अवसरः डॉ अंजु

बड़कोट (बद्री विशाल)। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय बडकोट से डॉ. अंजु भट्ट (विभाग अंग्रेजी) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आई हैं। डॉ. अंजु भट्ट ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय बडकोट में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र के तहत विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा,इसके लिए बूट कैंप तथा ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. अंजु भट्ट के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला (महानिदेशक ईडीआईआई) डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ.पंकज भारती,डॉ. राजीव शर्मा, स्नेह देसाई आदि उपस्थित रहे।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

रोजगार के क्षेत्र में रायपुर महाविद्यालय बना उद्यमिता केंद्र

मनन ढिंगरा

हरिद्वार/देहरादून (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान के तहत छात्र-छात्राओं में उद्यमी बनने की भावना को जागृत कर उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें रायपुर महाविद्यालय की प्रोफेसर ज्योति खरे, वाणिज्य संकाय एवं डॉ धर्मेंद्र कुमार, जंतु विज्ञान भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं। प्रोफेसर ज्योति खरे ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य महाविद्यालय में मेंटर्स को तैयार कर युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है। उनके कौशल को पहचान कर रोजगार हेतु उन्हें मार्गदर्शन देना है। इस हेतु महाविद्यालय में बूट कैंप, ईडीपी कार्यक्रम एवं कई उद्यमी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि उद्यमिता आज की जरूरत है, जिसके लिए कौशल के साथ-साथ महत्वाकांक्षी होना भी जरूरी है एवं छात्र-छात्राओं में जोखिम उठाने की क्षमता को भी भरना है।इस कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों की सहभागिता अनिवार्य है। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त कर आए प्राध्यापकों को बधाई दी।

स्पष्ट एक्सप्रेस

पाक्षिक प्रकाशन E-mail: rajranj93@gmail.com

आवश्यक मोबाईल नंबर

उद्यमिता एवं स्वरोजगार हेतु युवाओं को प्रेरित करने के लिए प्राध्यापकों के प्रशिक्षण को एक सराहनीय कदम बताया : निदेशक डॉ महावीर रावत

उत्तराखण्ड राज्य
Department of Higher Education Govt. of Uttarakhand

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT INSTITUTE OF INDIA

Faculty Mentor Development Programme

[28th July to 2nd August, 2024]

EDII

स्पष्ट एक्सप्रेस।

ऋषिकेश, 05 अगस्त 2024: उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के निर्देशन और उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के संयुक्त तत्वाधान् में उच्च शिक्षा के प्राध्यापकों को 2023 से छात्रों में उद्यमिता विकास को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इसी क्रम में पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रो. डॉ. शालिनी रावत ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में एफ एम डी पी 2024 के थर्ड कोहर्ट में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि इस योजना से ऋषिकेश परिसर में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र को जो कि सत्र 2023-24 में पर्यटन के क्षेत्र में सेंटर आफ एक्सीलेंस घोषित किया जा चुका है को और सुदृढ़ किया जाएगा। इस योजना के तहत परिसर के विद्यार्थियों एवं स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के प्रति प्रेरित किया जाएगा। आगामी दिवसों में परिसर में बूट कैंप एवं ई डी पी का आयोजन किया जाएगा। छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए देवभूमि उद्यमिता संस्थान द्वारा हर प्रकार से सहयोग किया जाएगा एवं चयनित विशेष छात्रों को स्वरोजगार हेतु सीड़ मनी एवं उनके प्रशिक्षण हेतु प्रेरित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 28 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में आयोजित किया गया, जिसमें तृतीय को हॉर्ट में प्रदेश के 35 प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

परिसर के निदेशक डॉ महावीर सिंह रावत ने वर्तमान समय में उद्यमिता एवं स्वरोजगार हेतु युवाओं को प्रेरित करने के लिए प्राध्यापकों के प्रशिक्षण को एक सराहनीय कदम बताते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ सुनील कुमार शुक्ला, संस्थान के निदेशक डॉ. अमित द्विवेदी, डॉ. पंकज भारती एवं डॉक्टर स्नेहल देसाई ने व्याख्यानों से

डॉ. लक्ष्मी मनराल बने फैकल्टी मेंटर

लालढांग। छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए चलाई जा रही देवभूमि उद्यमिता योजना के लिए राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी के शिक्षक डॉ. लक्ष्मी मनराल को फैकल्टी मेंटर बनाया गया है। डॉ. मनराल ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से देवभूमि उद्यमिता योजना कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। योजना के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड सरकार तथा उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच एमओयू हुआ है। इसके तहत 28 जुलाई से दो अगस्त तक हुई कार्यशाला में राज्य के अलग-अलग महाविद्यालयों से 35 प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। जिसमें उनका चयन फैकल्टी मैंटर के लिए हुआ है। संवाद

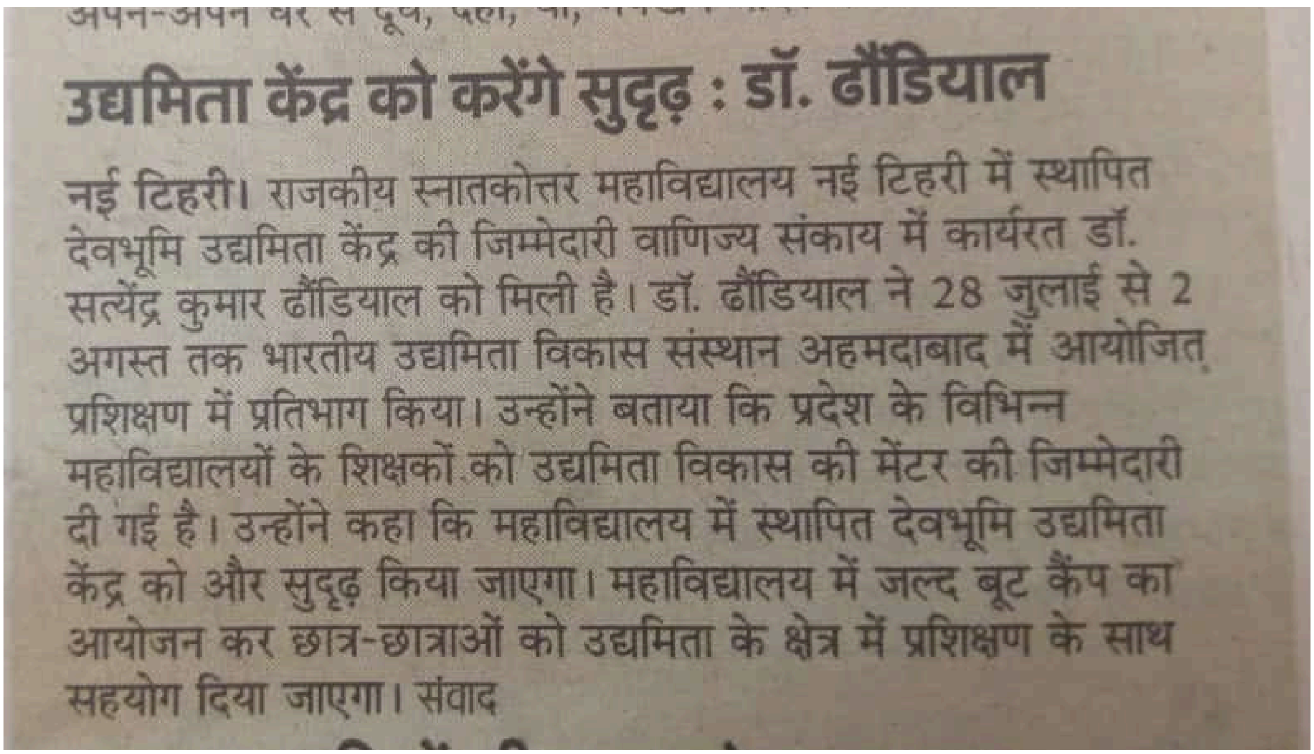

उद्यमिता केंद्र को करेंगे सुदृढ़ : डॉ. ढौंडियाल

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र की जिम्मेदारी वाणिज्य संकाय में कार्यरत डॉ. सत्येंद्र कुमार ढौंडियाल को मिली है। डॉ. ढौंडियाल ने 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में आयोजित प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों को उद्यमिता विकास की मेंटर की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र को और सुदृढ़ किया जाएगा। महाविद्यालय में जल्द बूट कैंप का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ सहयोग दिया जाएगा। संवाद

प्रशिक्षण में शामिल हुईं प्रो. शालिनी

ऋषिकेश। भारतीय प्रशिक्षण उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा के प्राध्यापकों को छात्रों में उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर की वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. शालिनी रावत ने प्रशिक्षण लिया। बताया कि इस योजना से ऋषिकेश परिसर में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र को सुदृढ़ किया जाएगा। संवाद

Shot on OnePlus

हिन्दुस्तान

35 फैकल्टी सदस्यों का प्रशिक्षण पूरा

सितारगंज। देवभूमि उद्यमिता योजना यानि डीयूवाई के तहत फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम 35 फैकल्टी सदस्यों का प्रशिक्षण गांधीनगर, अहमदाबाद में शुक्रवार की सायं समाप्त हो गया।

इस वर्ष 93 फैकल्टी सदस्यों को फैकल्टी मेंटर के रूप में प्रशिक्षित कियाहै। पिछले वर्ष प्रशिक्षित लोगों को मिलाकर उत्तराखंड के उच्च शिक्षा विभाग में अब तक 185 फैकल्टी मेंटर तैयार हो चुके हैं। प्रशिक्षण में भाग लेने गयी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. राजविंदर कौर ने बताया कि राजकीय भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान यानी ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने नए फैकल्टी मेंटरों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उद्यमियों के लचीलेपन पर एक प्रेरक अंतर्दृष्टि साझा की। प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए आंतरिक स्थिरता पर जोर दिया।

रोजगार का माध्यम बनेगा देवभूमि उद्यमिता योजना : डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल

संजय राजपूत बुलन्द वाणी

पौड़ी गढ़वाल, मजरा महादेव। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल से डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल (विभाग-संस्कृत) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं। डॉ. नैनवाल ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय

महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपने के लिए प्रेरित किया जाएगा, इसके लिए बूट कैंप तथा ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त 2024 (छह दिवसीय) कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो. के.सी. दुदपुडी ने वर्तमान समय में उद्यमिता की उपयोगिता बताते हुए कहा कि अपने सबसे बुनियादी स्तर पर, उद्यमिता का मतलब एक व्यक्ति या भागीदारों के एक छोटे समूह से है जो एक नया व्यवसाय बनाने के लिए एक मूल मार्ग पर चलते हैं। एक महत्त्वाकांक्षी उद्यमी सक्रिय रूप से एक विशेष व्यवसाय उद्यम की तलाश करता है और यह उद्यमी ही होता है जो परियोजना से जुड़े सबसे बड़े जोखिम को उठाता है। साथ ही उन्होंने डॉ. नैनवाल को बधाई भी दी। छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला महानिदेशक ईडीआईआई, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ.पंकज भारती,डॉ. राजीव शर्मा, श्री स्नेह देसाई आदि उपस्थित रहे।

समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेखो, विचारों व समाचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए लेखक ही

मालिक मुद्रक व प्रकाशक तब्बसुम कुरैशी ने विनोद गोस्वामी प्रिंटिंग प्रेस 44, हनुमानपुरी, सूरज कुण्ड रोड, मेरठ 25
सम्पादक-तब्बसुम कुरैशी, मो.-9368347421, मेल :- bulandva

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

संवाद सूत्र, जागरण, खानपुर : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से रानी धर्म कुंवर राजकीय महाविद्यालय दल्लावाला में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 28 जुलाई से दो अगस्त तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजकीय महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। साथ ही फैकल्टी मेंटौर बनाया गया।

महाविद्यालय के सहायक आचार्य संस्कृत डा. भूपेंद्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा।

उद्यमिता विकास का 35 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण

नई टिहरी, 3 अगस्त (ब्यूरो) : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन और प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में विभिन्न महाविद्यालय के प्राध्यापकों को उद्यमिता विकास का मेंटर बनाया जा रहा है। योजना के तहत पीजी कॉलेज नई टिहरी के वाणिज्य विभाग के डॉ. सत्येंद्र कुमार ढौंडियाल और राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा के डॉ. अजय कुमार ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लिया है। बताया कि योजना के तहत महाविद्यालय में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र को और सुदृढ़ किया जाएगा। जल्द ही कॉलेजों में बूट कैंप का आयोजन होगा। राज्य सरकार ने महाविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित किया है। जिसमे में छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए हर प्रकार से सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया की 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में प्रदेश के राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को ट्रेनिंग दी गई।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

रोजगार का माध्यम बनेगा देवभूमि उद्यमिता योजना :डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल

मुरली शर्मा

हरिद्वार (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं ।उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी (गढ़वाल) से डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल (विभाग - संस्कृत) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं। डॉ. नैनवाल ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपने के लिए प्रेरित किया जाएगा, इसके लिए बूट कैंप तथा ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त 2024 (छह दिवसीय) कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया।राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो. के.सी. दुद्पुडी ने वर्तमान समय में उद्यमिता की उपयोगिता बताते हुए कहा कि अपने सबसे बुनियादी स्तर पर, उद्यमिता का मतलब एक व्यक्ति या भागीदारों के एक छोटे समूह से है जो एक नया व्यवसाय बनाने के लिए एक मूल मार्ग पर चलते हैं। एक महत्त्वाकांक्षी उद्यमी सक्रिय रूप से एक विशेष व्यवसाय उद्यम की तलाश करता है और यह उद्यमी ही होता है जो परियोजना से जुड़े सबसे बड़े जोखिम को उठाता है। साथ ही उन्होंने डॉ. नैनवाल को बधाई भी दी छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला (महानिदेशक ईडीआईआई)डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ.पंकज भारती,डॉ. राजीव शर्मा, स्नेह देसाई आदि उपस्थित रहे।

उद्यमिता विकास का 35 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण

नई टिहरी, 3 अगस्त (ब्यूरो) : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन और प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में विभिन्न महाविद्यालय के प्राध्यापकों को उद्यमिता विकास का मेंटर बनाया जा रहा है। योजना के तहत पीजी कॉलेज नई टिहरी के वाणिज्य विभाग के डॉ. सत्येंद्र कुमार ढौंडियाल और राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा के डॉ. अजय कुमार ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लिया है। बताया कि योजना के तहत महाविद्यालय में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र को और सुदृढ़ किया जाएगा। जल्द ही कॉलेजों में बूट कैंप का आयोजन होगा। राज्य सरकार ने महाविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित किया है। जिसमे में छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए हर प्रकार से सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया की 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में प्रदेश के राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को ट्रेनिंग दी गई।

कैरियर के रूप मे उद्यमिता युवाओं के लिए बेहतरीन विकल्प : डॉ0 अजय कुमार

अल्मोड़ा (नि०सं०)। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की संयुक्त तत्वाधान के तहत विद्यार्थियों मे रोजगार के विकल्प के रूप मे उद्यमिता को अपनाने के लिए फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस योजना के तहत श्री देव सुमन विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल के शहीद श्रीमती हंसा धनाई राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा से डॉ0 अजय कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर-गणित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से 28 जुलाई से 02 अगस्त तक प्रशिक्षण प्राप्त कर फैकल्टी मेंटर के रूप मे वापस उत्तराखंड पहुंचे। डॉ0 अजय कुमार ने बताया कि इस योजना के द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प हेतु उद्यमिता को आजीविका बनाने के लिए प्रेरित तथा सरकार द्वारा सहायताएं दी जाएगी। समय-समय पर बूट कैंप लगाकर विद्यार्थियों को इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कार्यक्रम मे प्रतिभाग करने के बाद जो छात्र स्टार्टअप के लिए इच्छुक होगा भारत सरकार मदद करेगी, जिससे प्रदेश के युवा उद्यमिता में प्रवेश कर रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

आई हब डी आई टी यूनिवर्सिटी ने केंद्रीय विद्यालय हाथीबरकला में युवाओको प्रेरित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया

देहरादून (नि०सं०)। युवाओं में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, आई हब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की द्वारा समर्थित आई हब डीआईटी विश्वविद्यालय ने केंद्रीय विद्यालय हाथी बरकला No. II के 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्टार्टअप संस्कृति और ड्रोन प्रौद्योगिकी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) स्टार्टअप विकसित करने के लिए जागरूकता पैदा करना और प्रेरित करना था जो पहाड़ी क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान कर सके। कार्यशाला में व्यवसाय शुरू करने के मूल सिद्धांतों, नवाचार के महत्व और सीपीएस में नवीनतम प्रगति, वास्तविक समाधानों में उनके संभावित अनुप्रयोगों पर विशेषज्ञ डॉ. नफीस अहमद (एचओडी, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग) डीआईटी विश्वविद्यालय के नेतृत्व में इंटरैक्टिव सत्र आयोजित कियागया। डीआईटी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. प्रभा शंकर शर्मा ने ड्रोन में नवीनतम प्रगति, विभिन्न उद्योगों में उनके अनुप्रयोगों और इस क्षेत्र में संभावित कैरियर के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला अधिकारी के निर्देशन पर नशा मुक्ति व कन्या भ्रूण हत्या के प्रति जागरूकता अभियान का आयोजन

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल (परमानन्द कुकरेती)। नशा मुक्त व कन्या भ्रूण हत्या के प्रति जागरूकता को लेकर स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में जिलाधिकारी गढ़वाल डॉ. आशीष चौहान की उपस्थिति में राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ श्रीकोट में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नशा मुक्त भारत तथा बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम में जिलाधिकारी गढ़वाल ने नर्सिंग छात्रों को आने वाले समय में कन्या भ्रूण हत्या व नशे को रोकने में उनकी भूमिका व नैतिक जिम्मेदारियों से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रसव पूर्व लिंग जांच कर कन्या भ्रूण हत्या में लिप्त लोगों की धर पकड़ के बारे में जानकारी छात्र-छात्राओं को दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में उनके द्वारा विभिन्न चिकित्सालयों तथा नर्सिंग सेंटरों पर अपनी सेवाएं दी जाएगी जिसमें इस कृत्य से दूर रहने की बात कही। इसके उपरान्त उन्होंने नशा मुक्ति तथा कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध हस्ताक्षर बैनर पर हस्ताक्षर कर इस अभियान में शामिल होने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ आशीष गुसाईं चिकित्सा अधिकारी डीपीसीसी द्वारा नशीले पदार्थों के इस्तेमाल से होने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम में नर्सिंग अधिकारियों की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

गढ़वाल सांसद ने किया आपदाग्रस्त क्षेत्र केदारघाटी का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग (नि०सं०)। गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी आज आपदाग्रस्त क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करने सोनप्रयाग पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हवाई निरीक्षण के साथ ही स्थलीय निरीक्षण कर प्रभावित लोगों एवं रेस्क्यू कर लाए जा रहे यात्रियों से कुशलक्षेम पूछी। केदारघाटी में विगत दिनों हुई अत्यधिक बारिश के कारण उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न पड़ावों में फंसे हुए श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों का रेस्क्यू करने के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सोनप्रयाग में स्थलीय निरीक्षण करने के बाद गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी ने कहा कि श्री केदारघाटी में बीते दिनों हुई अतिवृष्टि के बाद प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। इस अतिवृष्टि से जगह-जगह मार्ग क्षतिग्रस्त तथा बंद हुए हैं। साथ ही कई लोग विभिन्न स्थानों में फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद से जिला प्रशासन सहित एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ व पुलिस के जवानों द्वारा लगातार रेस्क्यू कार्य किए जा रहे हैं।

आरतोला-जागेश्वर सड़क दुरुस्त, कल (रविवार) से होगा वाहनों का संचालन

आरतोला (नि०सं०)। जागेश्वर सड़क ऋ मोक्षमी मंदिर के पास बीते 27 जुलाई को धंस गई थी। इससे सड़क का बड़ा हिस्सा खाई में समा गया था इसी को देखते हुए प्रशासन ने इस सड़क पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी थी। इससे जागेश्वर धाम के श्रावणी मेले में व्यापक असर पड़ रहा था। इसी को देखते हुए डीएम के निर्देश पर लोनिवि की टीम ने सड़क के टूटे हुए हिस्से की मरम्मत शुरू कर दी थी, जो आज शाम पूरी हो गई है। लोनिवि के एई आलोक ओली ने बताया कि रविवार से इस सड़क से छोटे वाहनों का संचालन शुरू हो जाएगा। इससे भक्तजन अपनी कार से सीधे जागेश्वर धाम पहुंच पाएंगे। इससे भक्तों सहित स्थानीय जनता का काफी राहत मिलेगी। दनिया थाने के एसओ विजय नेगी ने बताया कि भीड़ को देखते श्रद्धालुओं के वाहन पूर्व की भांति दिन में आरतोला स्थित पार्किंग में खड़े कराए जाएंगे, जहां से शटल सेवा के माध्यम से श्रद्धालु जागेश्वर धाम पहुंचाए जाएंगे। शाम छह बजे बाद श्रद्धालु पूर्व की भांति अपनी कार से सीधे जागेश्वर पहुंच पाएंगे। करीब तीन-चार दिन के भीतर इस सड़क पर ट्रक सहित अन्य बड़े मालवाहक वाहनों की आवाजाही भी शुरू हो जाएगी।

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं और मताओं को किया जागरूक

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। प्रत्येक वर्ष, अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है. इसका उद्देश्य शिशुओं के स्वास्थ्य और बच्चे को स्तनपान का लाभ एवं स्तनपान बच्चे के लिए कुदरत का एक अनमोल उपहार है, जो मां और बच्चे दोनों को पोषण व भावनात्मक लगाव प्रदान करता है। जनजागरूकता के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय गोपेश्वर के प्रसवोत्तर केंद्र में डॉ0 कुसुम पंखोली महिला चिकित्सा अधिकारी ने जिला चिकित्सालय में संस्थागत प्रसव कर चुकी नई माताओं एवं तिमारदारों को बताया कि स्तनपान को लेकर उचित जानकारी, सहायता की कमी तथा भिन्न-भिन्न प्रकार की भ्रांतियों के कारण मांओं के लिए बच्चे को स्तनपान कराना आसान नहीं होता जिसके कारण उन्हें बच्चों को स्तनपान कराने के लिए हतोत्साहित होना पड़ता है, जिसके चलते बच्चे आवश्यक पोषण से वंचित रह जाते है. उन्होंने बताया कि एक प्रचलित भ्रांति है कि बच्चों को स्तनपान कराना हर मां के लिए आसान और स्वाभाविक है, जो सही नहीं है. बच्चे को स्तनपान कराने के लिए मां और बच्चे दोनों को अभ्यास और सहायता की आवश्यकता होती है। फॉर्मूला फीडिंग या बोतलबंद दूध को लेकर भी मान्यता है कि यह बच्चों के लिए मां के दूध के समान ही लाभकारी है, जो बिल्कुल गलत है. मां का दूध बच्चे के लिए सर्वोपरि है. इससे न केवल बच्चों में रोग प्रतिरोधक और मानसिक क्षमता का विकास होता है, बल्कि उन्हें भरपूर पोषण भी मिलता है. मां का दूध शिशुओं को रोगों से बचाने के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है,एक धारणा यह भी है कि जन्म के तुरंत बाद नवजात को मां से अलग कर देना चाहिए, ताकि मां को आराम मिल सके. वास्तविकता यह है कि जन्म के पहले घंटे के अंदर मां का स्पर्श और स्नेह नवजात के शरीर को गर्म रखने एवं मां के साथ भावनात्मक लगाव उत्पन्न करने के लिए जरूरी है, कुछ लोगों का यह भी मानना है कि गर्मी में शिशु को स्तनपान के साथ पानी या अन्य तरल पदार्थ देना चाहिए, ताकि उनकी पानी की जरूरतें पूरी हो सकें, परंतु बच्चे को मां के दूध के अतिरिक्त और किसी चीज की आवश्यकता नहीं होती.

भारतीय अंतर बैंक सेमिनार एवं अखिल भारतीय नराकास अध्यक्ष सम्मेलन-सह समीक्षा बैठक का आयोजन

देहरादून (नि०सं०)। पंजाब नैशनल बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक, द्वारा को प्रधान कार्यालय, गुरुग्राम, में अखिल भारतीय अंतर बैंक सेमिनार एवं बैंक के संयोजन में कार्यरत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के अध्यक्षों के सम्मेलन का आयोजन माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अतुल कुमार गोयल की अध्यक्षता में किया गया समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से सचिव महोदया आदरणीय श्रीमती अंशुली आर्या, आई. ए. एस. की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री बिनोद कुमार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि महोदया तथा बैंक के शीर्ष कार्यपालकों द्वारा बैंक के राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका "पीएनबी प्रवाह" का विमोचन किया गया। माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी देश की राजभाषा है और इसके प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन हेतु पंजाब नैशनल बैंक दृढ़ संकल्पित है। पंजाब नैशनल बैंक के संयोजन में देश भर में 28 नराकास कार्यरत हैं, जिनका संयोजन कुशलतापूर्वक पंजाब नैशनल बैंक द्वारा किया जा रहा है। पंजाब नैशनल बैंक अपने डिजिटल उत्पादों में हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग से कारोबार बढ़ा रहा है और राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

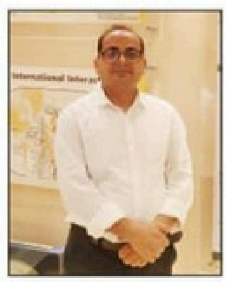

अल्मोड़ा (नि०सं०)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम (FMDP) आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा,अल्मोड़ा के डॉ.हेमन्त कुमार बिनवाल, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा,अल्मोड़ा में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। डा.हेमन्त कुमार बिनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी नियुक्त हुई डॉ. सुनैना रावत

देहरादून (नि०सं०)। राजकीय महाविद्यालय देहरादून शहर देहरादून के अंग्रेजी विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सुनैना रावत को राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी नियुक्त किया है। उन्होंने आज विधिवत राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। डॉक्टर सुनैना रावत पूर्व में राजकीय महाविद्यालय लम्बगांव में कार्यरत रही है। जहां पर उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। अपने कार्यकाल में उन्होंने एनएसएस के अंतर्गत विभिन्न सामुदायिक सेवा गतिविधियों व जनजागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया, जिन्हें महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं व स्थानीय लोग आज भी याद करते हैं। छात्र जीवन से सामाजिक कार्यों से सरोकार रखने वाली डॉ सुनैना ने कार्यभार ग्रहण करने पर अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुये कहा कि राज्य में राष्ट्रीय सेवा योजना को वह एक मुहिम बनाएगी। जिसमें छात्र छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुये पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कार्यक्रमों को गति देंगी। इसके अलावा रचनात्मक कार्यों में भी अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारियों के सहयोग से वह इस मुहिम को सफल बनाएगी, जिसके लिये पूर्ण मनोयोग से कार्य करेंगी।

चुड़ियाला में खुलेगा देवभूमि उद्यमिता केंद्र

जागरण संवाददाता, रुड़की: देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थियों को उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही, उन्हें फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला हरिद्वार के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डा. आशुतोष विक्रम ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला हरिद्वार में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा। विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप आयोजित होगा। बताया कि विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण कराया जाएगा। साथ ही, दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम होगा। डा. आशुतोष विक्रम ने बताया कि 28 जुलाई से दो अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

दैनिक जागरण
jagran.com देहरादून, 6 अगस्त, 2024 5

रिखणीखाल में खुलेगा देवभूमि उद्यमिता केंद्र

कोटद्वार: प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र खोला जाएगा। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौटे सहायक प्राध्यापक डा.महेश चंद्र आर्य ने छात्रों को जानकारी दी।

बताया कि उन्होंने उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग व भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में अहमदाबाद में विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस योजना के तहत अब राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा। जिसमें महाविद्यालय के छात्रों सहित ब्लाक के अंतर्गत आने वाले 18 से 45 वर्ष तक के युवाओं व वयस्कों को उद्यमिता व स्वरोजगार के लिए जागरूक किया जाएगा। महाविद्यालय में सत्र 2024-25 में एक बूट कैंप, 12 दिवसीय ईडीपी, पांच लेक्चर श्रृंखला व जागरूकता अभियान का आयोजन भी किया जाएगा।(संस)

उद्यमिता के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरः डॉ प्रमोद कुमार

संजय राजपूत बुलन्द वाणी

उत्तरकाशी, चिन्यालीसौड़। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (गुजरात) के संयुक्त तत्वाधान में 21 जुलाई 2024 से 26 जुलाई 2024 तक 6 दिवसीय फैकल्टी मैटर विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी के प्राचार्य प्रोफेसर प्रभात द्विवेदी के मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र विषय के प्राध्यापक डॉक्टर प्रमोद कुमार ने प्रशिक्षण प्राप्त किया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत छात्र छात्राओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करना एवं महाविद्यालय में उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना है। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय से द्वितीय चरण में 26 फैकल्टी सदस्यों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीयूवाई पोर्टल पर चर्चा साइकोमेट्रिक टेस्ट और स्टार्टअप अवसरों की पहचान जैसे उद्यमिता के विभिन्न विषय पर विशेषज्ञों जिनमें मुख्य रूप से सर पंकज भारती प्रोफेसर भारती, प्रोफेसर सत्यरंजन आचार्य, प्रोफेसर अमित द्विवेदी प्रोफेसर रतुला दास श्री अभिषेक नंदन इत्यादि द्वारा चर्चा की गई।

डॉक्टर प्रमोद कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षणशाला का मुख्य उद्देश्य रोजगार के घटते अवसर से किस तरह हम कौशल विकास एवं स्टार्टअप के माध्यम से न केवल स्वयं को रोजगार उपलब्ध काराये, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ने का प्रयास करना है । उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के लिए यह कार्यक्रम गिल का पत्थर साबित हो सकता है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ला परियोजना निदेशक प्रोफेसर अमित द्विवेदी प्रोफेसर दीपक पांडे प्राचार्य प्रोफेसर प्रभात द्विवेदी एवं समस्त महाविद्यालय परिवार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने डॉक्टर प्रमोद कुमार के उनके चयन एवं प्रशिक्षण के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रोजगार का माध्यम बनेगा देवभूमि उद्यमिता योजना : डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल

संजय राजपूत बुलन्द वाणी

पौड़ी गढ़वाल, मजरा महादेव। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल से डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल (विभाग-संस्कृत) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं। डॉ. नैनवाल ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपने के लिए प्रेरित किया जाएगा, इसके लिए बूट कैंप तथा ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त 2024 (छह दिवसीय) कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो. के.सी. दुदपुडी ने वर्तमान समय में उद्यमिता की उपयोगिता बताते हुए कहा कि अपने सबसे बुनियादी स्तर पर, उद्यमिता का मतलब एक व्यक्ति या भागीदारों के एक छोटे समूह से है जो एक नया व्यवसाय बनाने के लिए एक मूल मार्ग पर चलते हैं। एक महत्त्वाकांक्षी उद्यमी सक्रिय रूप से एक विशेष व्यवसाय उद्यम की तलाश करता है और यह उद्यमी ही होता है जो परियोजना से जुड़े सबसे बड़े जोखिम को उठाता है। साथ ही उन्होंने डॉ. नैनवाल को बधाई भी दी। छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला महानिदेशक ईडीआईआई, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ.पंकज भारती,डॉ. राजीव शर्मा, श्री स्नेह देसाई आदि उपस्थित रहे।

समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेखो, विचारों व समाचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए लेखक ही

उत्तराखंड टिहरी गढ़वाल

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे डॉ सतेन्द्र ढौंडियाल

1 min read

2 days ago admin

18:55

नई टिहरी। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उत्तराखंड सरकार की उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालय से प्राध्यापकों को उद्यमिता विकास का मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी के वाणिज्य संख्याएं के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सत्येंद्र कुमार ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत महाविद्यालय में स्थापित देव भूमि उद्यमिता केंद्र और सुदृढ़ किया जाएगा इसके लिए जल्द ही महाविद्यालय में एक बूट कैंप का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो के राज्य सरकार के द्वारा महाविद्यालय को सेंटर आफ एक्सीलेंस घोषित किया गया है जिसके तहत छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए हर प्रकार से सहयोग प्रदान किया जा रहा है। डॉ सत्येंद्र ने बताया की 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। डॉ ढौंडियाल ने महविद्यालय की प्राचार्य प्रो पुष्पा नेगी जी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आस्वस्त करवाया कि उनके द्वारा प्रशिक्षण से महाविद्यालय के छात्र – छात्राअ लाभ होगा।

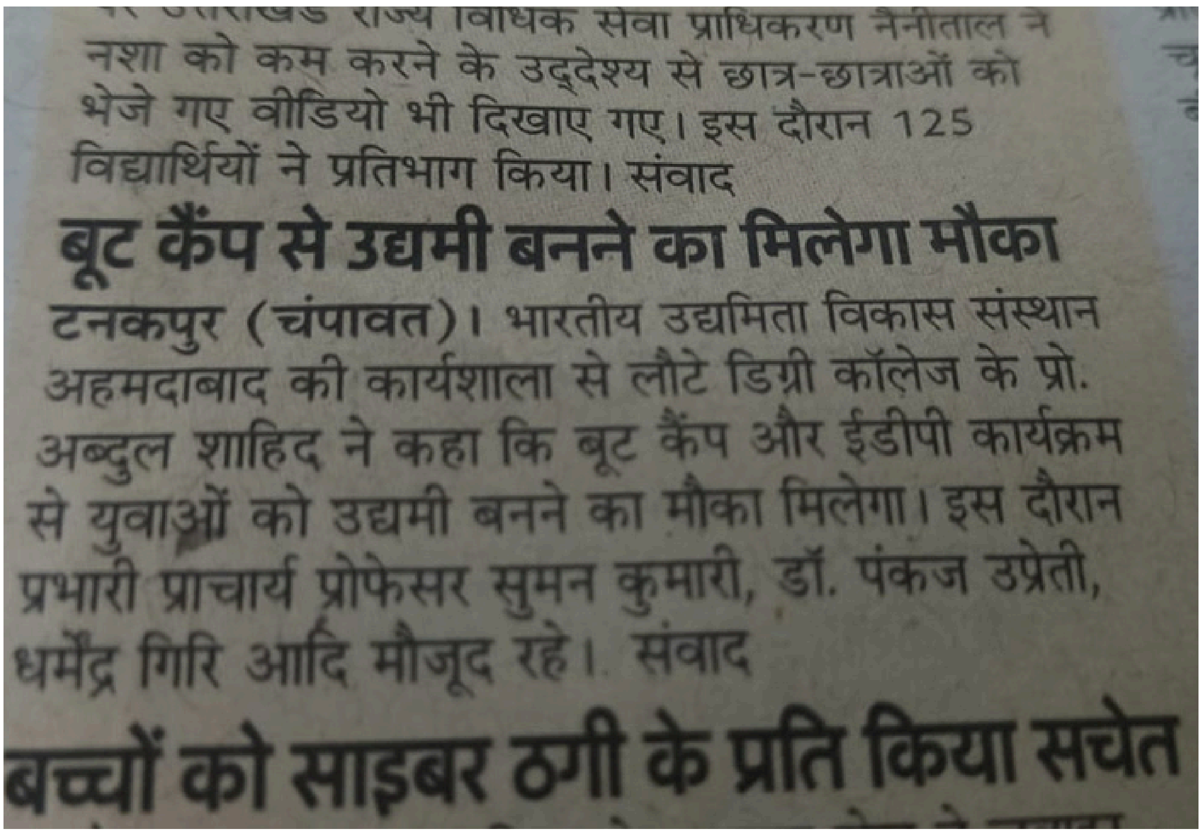

उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल ने नशा को कम करने के उद्देश्य से छात्र-छात्राओं को भेजे गए वीडियो भी दिखाए गए। इस दौरान 125 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। संवाद

बूट कैंप से उद्यमी बनने का मिलेगा मौका

टनकपुर (चंपावत)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की कार्यशाला से लौटे डिग्री कॉलेज के प्रो. अब्दुल शाहिद ने कहा कि बूट कैंप और ईडीपी कार्यक्रम से युवाओं को उद्यमी बनने का मौका मिलेगा। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर सुमन कुमारी, डॉ. पंकज उप्रेती, धर्मेंद्र गिरि आदि मौजूद रहे। संवाद

बच्चों को साइबर ठगी के प्रति किया सचेत

विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

रामनगर (नैनीताल)। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थियों के लिए रोजगार के विकल्प तलाशे जा रहे हैं। उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के मकसद से संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित कर फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत पीएनजी पीजी कॉलेज रामनगर के डॉ. जेपी त्यागी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। संवाद

डॉ. शिवानी बनीं फैकल्टी मेंटर

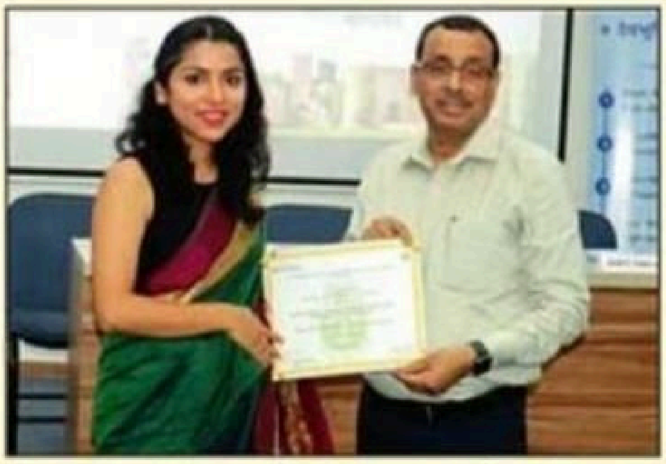

अल्मोड़ा। राम सिंह धौनी महाविद्यालय जैंती के अंग्रेजी विभाग की डॉ. शिवानी लटवाल फैकल्टी मेंटर के रूप में कार्य करेंगी।भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में आयोजित फैकल्टी मेंटर्स विकास कार्यक्रम में उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जहां उन्हें उद्यमिता के विभिन्न आयामों, नवाचार, कौशल विकास, इनक्यूबेशन की प्रक्रिया, सीड फंडिंग, आधुनिक तकनीकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के विषय में प्रशिक्षित दिया गया। प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार ने कहा कि डॉ. शिवानी अपने अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगी। जिससे विद्यार्थी के लिए स्वरोजगार के नए द्वार खुलेंगे। संवाद

छात्र-छात्राओं के कौशल विकास में मदद करेंगे डॉ. नगेंद्र

कांडा (बागेश्वर)। राजकीय स्नातक महाविद्यालय कांडा के प्राध्यापक डॉ. नगेंद्र पाल छह दिनी उद्यमिता मेंटर का प्रशिक्षण प्राप्त कर लौट आए हैं। वह विद्यार्थियों के कौशल विकास में मदद करेंगे। बीते दिनों भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत हुए कार्यक्रम में डॉ. पाल ने फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में उद्यमिता मेंटर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में संस्थान महानिदेशक प्रोफेसर अमित द्विवेदी, उद्यमिता और स्टार्टअप से जुड़े विशेषज्ञों ने उत्तराखंड में कई क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसरों को लेकर चर्चा की। स्वरोजगार के भविष्य को लेकर चिंतन किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त प्राध्यापक अपने महाविद्यालयों में बूट कैंप और उद्यमिता विकास कार्यक्रम में मेंटर की भूमिका के रूप में कार्य करेंगे। इसमें विद्यार्थियों को स्वरोजगार अपनाने के तरीके बताए जाएंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मधुलिका पाठक ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। संवाद

मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, हापुड़, बागपत, बिजनौर, बुलन्दशहर, लखनऊ एवं दिल्ली व उत्तराखण्ड प्रदेश से एक साथ प्रसारित

गौरवशाली 11 वां वर्ष

दैनिक बुलन्द वाणी

मजलूमों की आवाज...

Email-dainikbulandvani@gmail.com

03 कौशल विकास है छात्राओं के समग्र विकास... | 02 हिंदुस्तान के लिये बांग्लादेश में उत्पन्न... | 04 अग्रवाल महिला क्लब ने मनायी हरियाली तीज

कण्वघाटी क्षेत्र में उद्यमिता विकास को मिलेगी गति

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

कोटद्वार। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद व उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के संयुक्त तत्वाधान में उच्च शिक्षा में युवाओं को उद्यमिता कौशल के प्रति प्रेरित करने हेतु राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में देव भूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित किया गया हैं। देव भूमि उद्यमिता केंद्र के द्वारा विगत शैक्षिक सत्र से महाविद्यालय के छात्र छात्राओं में उद्यमिता विकास करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ उषा सिंह ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में छः दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम 2024 के थर्ड कोहार्ट में दिनांक 28

जुलाई 2024 से 2 अगस्त 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ विनय देवलाल ने जानकारी देते हुए बताया की महाविद्यालय के उद्यमिता केंद्र के अंतर्गत विगत सत्र में अनेकों जागरूकता कार्यशालाओं, गतिविधियों के अतिरिक्त दो दिवसीय बूट कैंप तथा बारह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया था समस्त कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय के छात्र छात्राओं,पूर्व छात्रों,स्थानीय लोगों में उद्यमिता गुणों की पहचान करने उन्हें विकसित करने व उद्यमिता हेतु प्रेरित करने संबंधी प्रयास किए गए। देव भूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य उत्तराखंड के युवाओं को प्रांतीय वा स्थानीय संसाधनों का सकुशल उपयोग कर रोजगार के अवसरों को बढ़ाना वा आर्थिक विकास करना है । महाविद्यालय प्राचार्य प्रो विजय कुमार अग्रवाल ने बताया की महाविद्यालय मे देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना के उद्देश्यों को सफलता पूर्वक पूर्ण करने हेतु पूर्व में डॉ विनय देवलाल द्वारा भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया था तथा इस वर्ष महाविद्यालय से डॉ उषा सिंह द्वारा फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रशिक्षण लिया गया है प्रशिक्षण प्राप्त

मेंटरों परिस कार्यक्र एवं उ का छात्र- लिए उद्यमि कर ह जाएग को स एवं मार्गद महावि समय स्वरो स्थानी निर्मा जैसी में मी प्रो0 इस दि की इ प्रशिक्ष कदम

अमर उजाला

देहरादून | बुधवार, 7 अगस्त 2024 3

सौरभ मिश्र उपस्थित रहे

उद्यमिता एवं स्वरोजगार से रुकेगा युवाओं का पलायन : प्राचार्य

कण्वघाटी/कोटद्वार। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद, उच्च शिक्षा विभाग एवं देवभूमि उद्यमिता योजना की पहल पर कण्वघाटी में देवभूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित किया गया है।

डॉ. ऊषा सिंह ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में छह दिवसीय फैकल्टी मेंटर डवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्रशिक्षण लिया। नोडल अधिकारी डॉ. विनय देवलाल ने बताया कि विगत सत्र में जागरूकता कार्यशालाओं, गतिविधियों के अलावा दो दिवसीय बूट कैंप एवं 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

प्राचार्य प्रो. विजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में डॉ. विनय देवलाल और अब डॉ. ऊषा सिंह ने प्रशिक्षण लिया है। प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता एवं स्वरोजगार उत्तराखंड के स्थानीय युवाओं के पलायन व रोजगार जैसी समस्याओं को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगा।

उधर, रिखणीखाल कॉलेज में जल्द ही देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा। प्राचार्य मनोज उप्रेती ने यह जानकारी दी। कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. महेश चंद्र आर्य ने 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में सत्र 2024-25 में एक बूट कैंप, 12 दिवसीय कैंप, 05 लेक्चर श्रृंखला एवं जनजागरूकता अभियान का आयोजन भी किया जाएगा। संवाद

सांध्य दैनिक
देवपथ
उत्त

कैरियर के रूप मे उद्यमिता युवाओं के लिए बेहतरीन विकल्प : डॉ0 अजय कुमार

अल्मोड़ा (नि०स०)। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की संयुक्त तत्वाधान के तहत विद्यार्थियों मे रोजगार के विकल्प के रूप मे उद्यमिता को अपनाने के लिए फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस योजना के तहत श्री देव सुमन विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल के शहीद श्रीमती हंसा धनाई राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा से डॉ0 अजय कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर-गणित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से 28 जुलाई से 02 अगस्त तक प्रशिक्षण प्राप्त कर फैकल्टी मेंटर के रूप मे वापस उत्तराखंड पहुंचे। डॉ0 अजय कुमार ने बताया कि इस योजना के द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प हेतु उद्यमिता को आजीविका बनाने के लिए प्रेरित तथा सरकार द्वारा सहायताएं दी जाएगी। समय-समय पर बूट कैंप लगाकर विद्यार्थियों को इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कार्यक्रम मे प्रतिभा करने के बाद जो छात्र स्टार्टअप के लिए इच्छुक होगा भारत सरकार मदद करेगी, जिससे प्रदेश के युवा उद्यमिता में प्रवेश कर रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ. हेमंत फैकल्टी मेंटर चुने गए

[illegible]

हलचल

News कॉर्नर

प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर बनाने को लेकर कार्यक्रम

नैनीताल । उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा(अल्मोड़ा) के डॉ.हेमन्त कुमार बिनवाल सहायक आचार्य शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। डा. बिनवाल' के मुताबिक 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसरः डॉ. हेमन्त कुमार बिनवाल

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

अल्मोड़ा, लमगड़ा। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगडा अल्मोड़ा के डॉ. हेमन्त कुमार बिनवाल, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा* में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। *डा.हेमन्त कुमार बिनवाल* के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था। उक्त उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों एवं निकटवर्ती आम जन को लाभान्वित किया जायेगा इस विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आम जन मानस, छात्र देवभूमि उद्यमिता योजना के https:duy-heduk.org पोर्टल पर संपर्क कर सकते हैं।

डा. बिनवाल ने की फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम में भागीदारी

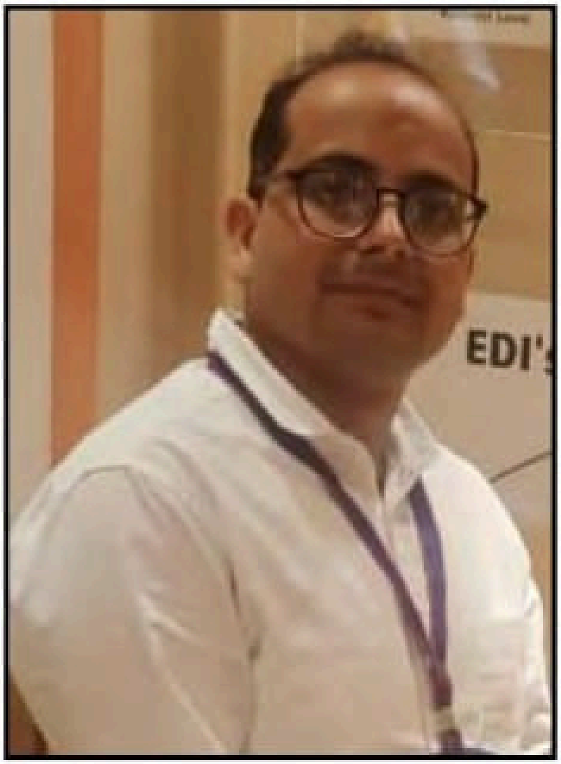

आज समाचार सेवा

नैनीताल। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगडा(अल्मोड़ा) के डॉ. हेमन्त कुमार बिनवाल सहायक आचार्य शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगडा अल्मोड़ा में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। डा. बिनवाल के मुताबिक 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

शिक्षकों ने पढ़ा उद्यमिता का पाठ, छात्रों को करेंगे प्रेरित

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता के शिक्षकों ने अहमदाबाद में उद्यमिता का पाठ पढ़ा। अब वह छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करेंगे। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं में उद्यमी बनने की भावना जागृत कर उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद में हुए कार्यक्रम में प्रो. ज्योति खरे और वाणिज्य संकाय के डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने हिस्सा लिया। प्रो. ज्योति खरे ने बताया, प्रशिक्षण का उद्देश्य महाविद्यालय में मेंटर्स को तैयार कर युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। उनके कौशल को पहचान कर रोजगार के लिए उन्हें मार्गदर्शन देना है। इसके लिए महाविद्यालय में बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम और कई उद्यमी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रो. विनोद प्रकाश अग्रवाल ने कहा, उद्यमिता आज की जरूरत है, जिसके लिए कौशल के साथ-साथ महत्वाकांक्षी होना भी जरूरी है। साथ ही छात्र-छात्राओं में जोखिम उठाने की क्षमता को विकसित करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्र पढ़ेंगे कौशल का पाठ

देहरादून। डीएवी पीजी कॉलेज में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज गौरव योजना (एनएसई) के तहत आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं कौशल का पाठ पढ़ेंगे। सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कॉलेज के एंटरप्रेन्योरशिप एवं इनोवेशन समिति के संयोजक प्रो. वीबी चौरसिया ने बताया, छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए इस तरह के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार ने कहा, छात्र-छात्राओं को बेहतर करियर बनाने में इस प्रकार के कार्यक्रम मददगार साबित होंगे। इस मौके पर डॉ. नृपेंद्र शर्मा, डॉ. रवि शरण दीक्षित, डॉ. रीना ठनियाल तिवारी, डॉ. अर्चना पाल, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. जीवन मेहता, डॉ. विमलेश डिमरी आदि मौजूद रहे। संवाद

देहरादून
बुधवार ● 7 अगस्त ● 2024
www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara
राष्ट्रीय सहारा

नीरज के साथ विनेश ने भी जगाई गोल्ड की उम्मीद

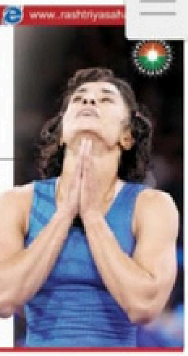

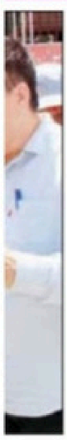

कण्वघाटी में देव भूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित किया

कण्वघाटी क्षेत्र में उद्यमिता विकास को मिलेगी गति

कोटद्वार/एसएनबी। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद व उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा में युवाओं को उद्यमिता कौशल के प्रति प्रेरित करने के लिए राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में देव भूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित किया गया है।

देव भूमि उद्यमिता केंद्र के द्वारा विगत शैक्षिक सत्र से महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में उद्यमिता विकास करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डा. उषा सिंह ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में छह दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम 2024 के थर्ड कोहार्ट में 28 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डा. विनय देवलाल ने जानकारी देते हुए बताया की महाविद्यालय के उद्यमिता केंद्र के अंतर्गत विगत सत्र में अनेकों जागरूकता कार्यशालाओं, गतिविधियों के अतिरिक्त दो दिवसीय बूट कैंप तथा बारह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया था। समस्त कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय के छात्र छात्राओं, पूर्व छात्रों, स्थानीय लोगों में उद्यमिता गुणों की पहचान करने उन्हें विकसित करने व उद्यमिता हेतु प्रेरित करने संबंधी प्रयास किए गए। देव भूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य उत्तराखंड के युवाओं को प्रांतीय वास्थानीय संसाधनों का सकुशल उपयोग कर रोजगार के अवसरों को बढ़ाना व आर्थिक विकास करना है । महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. विजय कुमार अग्रवाल ने बताया की महाविद्यालय मे देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना के उद्देश्यों को सफलता पूर्वकपूर्ण करने हेतु पूर्व में डॉ. विनय देवलाल द्वारा भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया था, तथा इस वर्ष महाविद्यालय से डॉ. उषा सिंह द्वारा फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रशिक्षण लिया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त मेंटरों द्वारा आगामी दिवसों में परिसर में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमों के अतिरिक्त बूट कैंप एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करने में देवभूमि उद्यमिता संस्थान द्वारा मेंटरिंग कर हर प्रकार से सहयोग किया जाएगा एवं चयनित विशेष छात्रों को स्वरोजगार के लिए सीड़ मनी एवं उनके प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शित किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य ने वर्तमान समय में उद्यमिता एवं स्वरोजगार द्वारा उत्तराखंड के स्थानीय युवाओं के भविष्य निर्माण व पलायन व रोजगार जैसी समस्याओं को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगा, प्रो. विजय कुमार अग्रवाल नें इस दिशा में उच्च शिक्षा विभाग की इस पहल व प्राध्यापकों के प्रशिक्षण को एक सराहनीय कदम बताया।

सबसे तेज
प्रधान टाइम्स

विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

🔊 खबर सुनने के लिए बटन दबाये

06-08-24 | 04:22 am

उत्तराखण्ड राज्य
Department of
Higher Education
Govt. of Uttarakhand

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT INSTITUTE OF INDIA

Faculty Mentor Development Programme

[28th July to 2nd August, 2024]

EDII

Listen

उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटल कार्य

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के अंतर्गत राजकीय
प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं। डॉ. नैनवाल ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी तथा विद्यार्थियों को रोजगार के

डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त 2024 (छह दिवसीय) कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया।

राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो. के.सी. दुदपुडी ने वर्तमान समय में उद्यमिता की उपयोगिता बताते हुए कहा कि अपने सबसे बुनियादी स्तर पर, उद्यमिता का मतलब एक व्यक्ति या भागीदारों

। एक महत्त्वाकांक्षी उद्यमी सक्रिय रूप से एक विशेष व्यवसाय उद्यम की तलाश करता है और यह उद्यमी ही होता है जो परियोजना से जुड़े सबसे बड़े जोखिम को उठाता है। साथ ही उन्होंने डॉ. नैनवाल को बधाई

छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओ में डॉ. सुनील शुक्ला (महानिदेशक ईडीआईआई)डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ.पंकज भारती,डॉ. राजीव शर्मा, श्री स्नेह देसाई आदि उपस्थित रहे।

रोजगार का माध्यम बनेगा देवभूमि उद्यमिता योजना : डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

मुरली शर्मा

हरिद्वार।उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी (गढ़वाल) से डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल (विभाग - संस्कृत) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं। डॉ. नैनवाल ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव पौड़ी गढ़वाल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपने के लिए प्रेरित किया जाएगा, इसके लिए बूट कैंप तथा ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. चन्द्र बल्लभ नैनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त 2024 (छह दिवसीय) कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया।राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो. के.सी. दुद्पुडी़ ने वर्तमान समय में उद्यमिता की उपयोगिता बताते हुए कहा कि अपने सबसे बुनियादी स्तर पर, उद्यमिता का मतलब एक व्यक्ति या भागीदारों के एक छोटे समूह से है जो एक नया व्यवसाय बनाने के लिए एक मूल मार्ग पर चलते हैं। एक महत्त्वाकांक्षी उद्यमी सक्रिय रूप से एक विशेष व्यवसाय उद्यम की तलाश करता है और यह उद्यमी ही होता है जो परियोजना से जुडे सबसे बडे जोखिम को उठाता है। साथ ही उन्होंने डॉ. नैनवाल को बधाई भी दी।छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में

कैरियर के रूप में उद्यमिता युवाओं के लिए बेहतरीन विकल्प: डॉ० अजय कुमार

3 August 2024 उत्तराखंड, विविध न्यूज़, शिक्षा जगत

Please click to share News

टिहरी गढ़वाल 3 अगस्त 2024। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की संयुक्त तत्वाधान के तहत विद्यार्थियों मे रोजगार के विकल्प के रूप मे उद्यमिता को अपनाने के लिए फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस योजना के तहत श्री देव सुमन विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल के शहीद श्रीमती हंसा धनाई राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा से डॉ० अजय कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर- गणित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से 28 जुलाई से 2 अगस्त तक प्रशिक्षण प्राप्त कर फैकल्टी मेंटर के रूप मे वापस उत्तराखंड पहुंचे। डॉ० अजय कुमार ने बताया कि इस योजना के द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प हेतु उद्यमिता को आजीविका बनाने के लिए प्रेरित तथा सरकार द्वारा सहायताएं दी जाएगी। समय-समय पर बूट कैंप लगाकर विद्यार्थियों को इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कार्यक्रम मे प्रतिभा करने के बाद जो छात्र स्टार्टअप के लिए इच्छुक होगा भारत सरकार मदद करेगी, जिससे प्रदेश के युवा उद्यमिता में प्रवेश कर रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

तीर्थ चेतना

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज भूपतवाल में उद्यमिता के गुर सीखेंगे छात्र

Tirth Chetna August 5, 2024 0 शिक्षा

Spread the love

Post Views: 532

कॉलेज की प्राध्यापिका डा. स्मिता बसेरा करेंगी नेतृत्व

तीर्थ चेतना न्यूज

हरिद्वार। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, भूपतवाला के छात्र/छात्राएं भी कॉलेज में उद्यमिता के गुर सीखेंगे। उद्यमिता से संबंधित उनके आइडिया को कॉलेज की प्राध्यापिका डा. स्मिता बसेरा दिशा देंगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना देवभूमि उद्यमिता विकास योजना को गवर्नमेंट डिग्री और पीजी कॉलेजों के माध्यम से धरातला उतारा जा रहा है। इस काम में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद मदद कर रहा है।

कॉलेजों के प्राध्यापकों को ईडीआईआई जरूरी प्रशिक्षण दे रहा है। इसी क्रम में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, भूपतवाला की डा डा. स्मित बसेरा ईडीआईआई, अहमदाबाद से छह दिवसीय प्रशिक्षण लेकर लौटी हैं। अब वो कॉलेज मंे देवभूमि उद्यमिता योजना को धरातल पर उतारेंगी।

डॉ. स्मिता बसेरा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप तथा इ डी पी का आयोजन किया जाएगा।

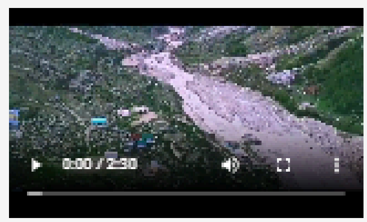

Search

Type Here

Latest Post

उत्तराखंड में जल्द होगा

www.uttrakhandexpress.com

उत्तराखण्ड एक्सप्रेस न्यूज़

उत्तरकाशी उत्तराखण्ड शिक्षा

देवभूमि उद्यमिता योजना से मिलेगें युवाओं को रोजगार के अवसर : डॉ अंजु भट्ट

August 5, 2024 / J P Bahuguna

जयप्रकाश बहुगुणा

बड़कोट /उत्तरकाशी

उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय से प्राध्यापक को "फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम" के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट से डॉ. अंजु भट्ट (विभाग–अंग्रेजी) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आई हैं। डॉ. अंजु भट्ट ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र के तहत विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा,इसके लिए बूट कैंप तथा ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. अंजु भट्ट के अनुसार 29 जुलाई से 2 अगस्त 2024 (छह दिवसीय) कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। छह दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला (महानिदेशक ईडीआईआई)डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ.पंकज भारती,डॉ. राजीव शर्मा, श्री स्नेह देसाई आदि उपस्थित रहे।

Post Views: 18

रोजगार के क्षेत्र में रायपुर महाविद्यालय बना उद्यमिता केंद्र

संजीव शर्मा August 5, 2024

Listen

उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान के तहत छात्र-छात्राओं में उद्यमी बनने की भावना को जागृत कर उद्यमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

जिसमें रायपुर महाविद्यालय की प्रोफेसर ज्योति खरे, वाणिज्य संकाय एवं डॉ धर्मेंद्र कुमार, जंतु विज्ञान भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस आए हैं।

प्रोफेसर ज्योति खरे ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य महाविद्यालय में मेंटर्स को तैयार कर युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है।

उनके कौशल को पहचान कर रोजगार हेतु उन्हें मार्गदर्शन देना है। इस हेतु महाविद्यालय में बूट कैंप, ईडीपी कार्यक्रम एवं कई उद्यमी सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

उत्तराखंड

टौंस घाटी के युवाओं के लिये स्वरोजगार की अपार सम्भावनायें- डॉ० आशाराम बिजल्वाण

August 6, 2024 Rakesh Raturi 44 Views

मोरी – उत्तराखंड के युवा जहां अपने रोजगार के लिए जगह जगह भटकता रहता है वहीं टौंस घाटी के युवाओं के लिये स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं।उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उधमिता विकास संस्थान अहमदाबाद गुजरात के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर के रूप में उधमिता को अपनाने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटर की कार्यक्रम आयोजित किया गया।अब तक185 प्राध्यापकों ने अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने अपने महाविद्यालययों में मेंटर की भूमिका निभाएंगे।जिससे अब प्रदेश के युवाओं को महाविद्यालयों में शिक्षा के साथ साथ स्वरोजगार के लिए उधमिता का प्रशिक्षण देकर उन्हें सफल उधमी बनाने में सरकार के उद्देश्य को पूरा किया जायेगा। राजकीय महाविद्यालय मोरी जो जनपद उत्तरकाशी का सीमान्त क्षेत्र में है उस महाविद्यालय के मेंटर की डॉ०आशाराम बिजल्वाण का कहना है कि टौंस नदी घाटी में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं ।यहां पर पर्यटको के लिए रिवर राफ्टिंग, साहसिक पर्यटन, ट्रेकिंग, बागवानी, नगदी फसल,जड़ी बूटियों का अथाह भंडार होने के कारण स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं जिस कारण यहाँ का युवा कभी पलायन नहीं करेगा।

हल्द्वानी : अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस लौटे MBPG कॉलेज के प्रोफेसर

हल्द्वानी | उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू (समझौता पत्र) के तहत विद्यार्थियों में स्वरोजगार के...

CNE DESK
August 6, 2024 4:59 PM

हल्द्वानी | उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू (समझौता पत्र) के तहत विद्यार्थियों में स्वरोजगार के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए राजकीय संस्थानों / महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। महाविद्यालयों में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए देवभूमि उद्यमिता केन्द्रों की स्थापना की गयी है।

इस योजना के तहत एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से प्रो. टी.सी. पाण्डेय, डॉ. सविता भण्डारी और डॉ. तनुजा मेलकानी को प्रशिक्षण दिया गया। वह अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस महाविद्यालय आ गए हैं। इस कार्यक्रम द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सरकारी रोजगार के विकल्प के रूप उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सूच्य है कि राज्य सरकार द्वारा शीघ्र ही उद्यमिता को पाठ्यक्रम के रूप में मान्यता प्रदान की जायेगी। एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी में विगत वर्ष भी बूट कैम्प आयोजित किया गया था। इस वर्ष भी विद्यार्थियों के लिए कई कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये हैं। रुचि प्रदर्शित करने वाले विद्यार्थियों को हर प्रकार की विशेषज्ञ सहायता की सीड फण्ड दिये जाने का प्रावधान है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एन.एस. बनकोटी ने अपील की है कि सभी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम हेतु अपना रजिस्ट्रेशन करवायें तथा कार्यक्रम का लाभ उठायें। उन्होंने इस कार्यक्रम को एक गेम चेंजर कार्यक्रम बताया। शीघ्र ही समस्त प्राध्यापकों को भी इस कार्यक्रम की जानकारी दी जायेगी जिससे वे अपने शिक्षण कक्षाओं में विद्यार्थियों को प्रेरित कर सकेंगे। आगामी वर्ष में भी अन्य प्राध्यापकों को प्रशिक्षित करवाया जायेगा।

उत्तराखंड

राजकीय महाविद्यालय चकराता बनेगा देवभूमि उद्यमिता केंद्र

August 6, 2024 Rakesh Raturi 15 Views

चकराता – उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम* आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय चकराता, देहरादून की मंजू अग्रवाल सहायक आचार्य अर्थशास्त्र भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौट आई हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय चकराता, देहरादून में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मंजू अग्रवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों एवं निकटवर्ती आम जन को लाभान्वित किया जायेगा।

"देवभूमि उद्यमिता योजना" युवाओं के लिए बनेगा स्वरोजगार का जरिया" : प्राचार्य डॉ. एके तिवारी

Web Editor · 12 mins ago 0 249 2 minutes read

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

पुरोला,Uttarkashi: बीएल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला में अध्ययनरत छात्र, छात्राओं सहित मोरी, पुरोला विकासखंड के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में शीघ्र उद्यमिता प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जाएगी।

प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु राज्य में देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई) शुरू की है।

डीयूवाई का उद्देश्य राज्य भर के युवाओं को उद्यमशीलता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इस योजना हेतु उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच एक समझौता पत्र हस्ताक्षरित किया गया है, तथा योजना हेतु बजट का प्रावधान भी किया गया है। योजना के अन्तर्गत युवाओं को आजीविका के रूप में स्वरोजगार को अपनाने हेतु प्रशिक्षित करके अपने उद्यम स्थापित करने हेतु बौद्धिक रूप से प्रेरित करना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों से प्राचार्यों एवं चयनित प्राध्यापकों को फैकल्टी मेन्टर के रूप में प्रशिक्षित करने हेतु भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद में दिनांक 28-07-2024 से 02-08-2024 तक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला के प्राचार्य प्रो०एके तिवारी ने भी प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे डा० तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय पुरोला में उद्यमिता शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जाएगी। यह उद्यमिता केन्द्र महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक कर स्वरोजगार हेतु सघन प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार अपनाने एवं स्वयं के उद्यमों को स्थापित करने हेतु पूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, साथ ही उद्यम स्थापित करने हेतु उनकी व्यवसाय प्रस्ताव की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)तैयार कर शीघ्र ऋण भी उपलब्ध कराई जाएगी। महाविद्यालय में स्थापित उद्यमिता केन्द्र

उत्तराखंड

उद्यमिता विकास को गति देगा उद्यमिता केंद्र, अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर वापस लौटी महाविद्यालय की डॉ उषा सिंह

August 6, 2024 / रंजना गुसाईं

मनोज नौडियाल

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद व उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के संयुक्त तत्वाधान में उच्च शिक्षा में युवाओं को उद्यमिता कौशल के प्रति प्रेरित करने हेतु राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में देव भूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित किया गया हैं। देव भूमि उद्यमिता केंद्र के द्वारा विगत शैक्षिक सत्र से महाविद्यालय के छात्र छात्राओं में उद्यमिता विकास करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ उषा सिंह ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद में छः दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम 2024 के थर्ड कोहार्ट में दिनांक 28 जुलाई 2024 से 2 अगस्त 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ विनय देवलाल ने जानकारी देते हुए बताया की महाविद्यालय के उद्यमिता केंद्र के अंतर्गत विगत सत्र में अनेकों जागरूकता कार्यशालाओं,गतिविधियों के अतिरिक्त दो दिवसीय बूट कैंप तथा बारह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया था समस्त कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय के छात्र छात्राओं,पूर्व छात्रों,स्थानीय लोगों में उद्यमिता गुणों की पहचान करने उन्हें विकसित करने व उद्यमिता हेतु प्रेरित करने संबंधी प्रयास किए गए। देव भूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य उत्तराखंड के युवाओं को प्रांतीय वा स्थानीय संसाधनों का सकुशल उपयोग कर रोजगार के अवसरों को बढ़ाना वा आर्थिक विकास करना है । महाविद्यालय प्राचार्य प्रो विजय कुमार अग्रवाल ने बताया की महाविद्यालय मे देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना के उद्देश्यों को सफलता पूर्वक पूर्ण करने हेतु पूर्व में डॉ विनय देवलाल द्वारा भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया था तथा इस वर्ष महाविद्यालय से डॉ उषा सिंह द्वारा फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रशिक्षण लिया गया है प्रशिक्षण प्राप्त मेंटरों द्वारा आगामी दिवसों में परिसर में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमों के अतिरिक्त बूट कैंप एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करनें में देवभूमि उद्यमिता संस्थान द्वारा मेंटरिंग कर हर प्रकार से सहयोग किया जाएगा एवं चयनित विशेष छात्रों को स्वरोजगार हेतु सीड़ मनी एवं उनके प्रशिक्षण हेतु मार्गदर्शित किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य ने वर्तमान समय में उद्यमिता एवं स्वरोजगार द्वारा उत्तराखंड के स्थानीय युवाओं के भविष्य निर्माण व पलायन व रोजगार जैसी समस्याओं को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगा, प्रो0 विजय कुमार अग्रवाल नें इस दिशा में उच्च शिक्षा विभाग की इस पहल व प्राध्यापकों के प्रशिक्षण को एक सराहनीय कदम बताया ।

★रिपोर्ट- (सुनील भारती) "स्टार खबर" नैनीताल..

नैनीताल/ भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबादके निर्देशन एवं सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में *देवभूमि उद्यमिता योजना* के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से *संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम* (FMDP)

आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा के डॉ.हेमन्त कुमार बिनवाल*, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा* में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। *डा.हेमन्त कुमार बिनवाल* के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

उक्त उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों एवं निकटवर्ती आम जन को लाभान्वित किया जायेगा ।इस विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आम जन मानस, छात्र देवभूमि उद्यमिता योजना के पोर्टल *विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर*

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में *देवभूमि उद्यमिता योजना* के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से *संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम* (FMDP) आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा के डॉ.हेमन्त कुमार बिनवाल*, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा* में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। *डा.हेमन्त कुमार बिनवाल* के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

उक्त उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों एवं निकटवर्ती आम जन को लाभान्वित किया जायेगा ।इस विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आम जन मानस, छात्र देवभूमि उद्यमिता योजना के https:duy-heduk.org पोर्टल पर संपर्क कर सकते हैं।

Devbhoomi Entrepreneurship Scheme देवभूमि उद्यमिता योजना: स्वरोजगार के नए अवसर

Contents [show]

Devbhoomi Entrepreneurship Scheme: स्वरोजगार की दिशा में युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और उत्तराखंड के उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम (FMDP)

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम (Faculty Mentor Development Program – FMDP) आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को प्रशिक्षित करना और उन्हें फैकल्टी मेंटर के रूप में तैयार करना है। फैकल्टी मेंटर, विद्यार्थियों को उद्यमिता के महत्व को समझाने और उन्हें इस दिशा में मार्गदर्शन करने का कार्य करेंगे।

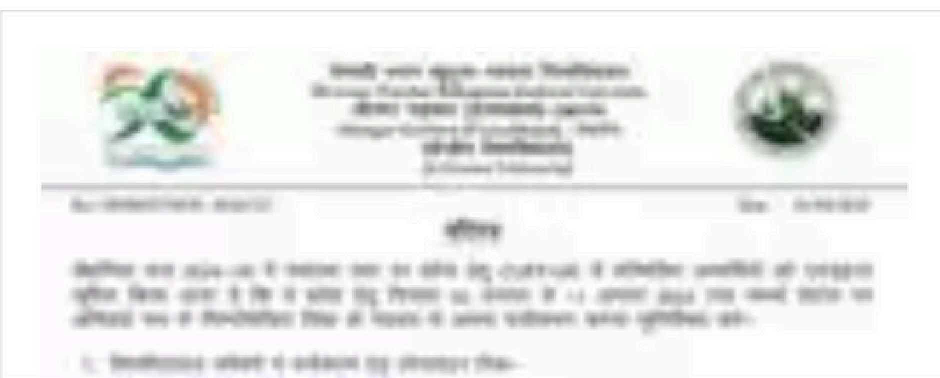

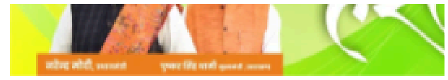

नैनीताल : विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

Posted on August 3, 2024 by Gunjan Mehra

ारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता ोजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार ‍िकास कार्यक्रम(FMDP) आयोजित किए जा रहे हैं।

ुत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षि ‍िया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा के डॉ.हेमन्त कुमार बिनवाल, ाहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ाजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को ‍पनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि ो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। ा.हेमन्त कुमार बिनवाल के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न ‍िश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

ुक्त उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों एवं निकटवर्ती आम जन को लाभान्वित किया जायेगा ।इस विषय पर और ‍धिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आम जन मानस, छात्र देवभूमि उद्यमिता योजना के पोर्टल *विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

ारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता ोजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार

छात्र सीखेंगे उद्यमी बनने के गुर, कालेजों में तैयार किए गए फैकल्टी मेंटर

अल्मोड़ा उत्तराखण्ड एजुकेशन/कोचिंग कारोबार ट्रेनिंग ताजा खबर देश/विदेश देहरादून नैनीताल योजनाएं स्वरोजगार

August 3, 2024 Vinod Paneru Leave A Comment

हल्द्वानी। अब डिग्री कालेज में पढ़ने वाले छात्रों को उद्यमिता विकास के गुर सिखाए जाएंगे। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत छात्रों को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही आवश्यक मार्गदर्शन भी किया जाएगा। इसके लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में कालेजों में फैकल्टी मेंटर तैयार किए जा रहे हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम (थ्डक्च्) आयोजित किए जा रहे हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की ओर से प्रदेश के विभिन्न डिग्री कालेजों के प्राध्यापकों को छात्रों को उद्यमिता विकास की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा, अल्मोड़ा के सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र डा.हेमन्त कुमार बिनवाल ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा, अल्मोड़ा में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

डा.हेमन्त कुमार बिनवाल के अनुसार 28 जुलाई से दो अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों के 35 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। बताया कि उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों और निकटवर्ती आम जन को लाभान्वित किया जायेगा।

कुमाऊं जनसन्देश

विज्ञापन हेतु संपर्क
अब केवल 100 रुपये प्रति दिन से करे, अपने सस्थान या कार्य
www.kumaonjansandesh.

छात्र सीखेंगे उद्यमी बनने के गुर, कालेजों में तैयार किए गए फैकल्टी मेंटर

अल्मोड़ा | उत्तराखण्ड | एजुकेशन/कोचिंग | कारोबार | ट्रेनिंग | ताजा खबर | देश/विदेश | देहरादून | नैनीताल | योजनाएं | स्वरोजगार

August 3, 2024 Vinod Paneru Leave A Comment

हल्द्वानी। अब डिग्री कालेज में पढ़ने वाले छात्रों को उद्यमिता विकास के गुर सिखाए जाएंगे। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत छात्रों को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही आवश्यक मार्गदर्शन भी किया जाएगा। इसके लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में कालेजों में फैकल्टी मेंटर तैयार किए जा रहे हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम (थ्डक्च्) आयोजित किए जा रहे हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की ओर से प्रदेश के विभिन्न डिग्री कालेजों के प्राध्यापकों को छात्रों को उद्यमिता विकास की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा, अल्मोड़ा के सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र डा.हेमन्त कुमार बिनवाल ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा, अल्मोड़ा में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

समाचार UK
खबरें उत्तराखंड की सबसे तेज

(खुशखबरी):- विद्यार्थियों को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निर्देशन एवं सहयोग से उच्च ९ शिक्षा विभाग उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में *देवभूमि उद्यमिता योजना* के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से *संकाय सलाहकार विकास कार्यक्रम* (FMDP) आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर डेवलेपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा के डॉ.हेमन्त कुमार बिनवाल*, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत *राजकीय महाविद्यालय लमगडा,अल्मोड़ा* में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। *डा.हेमन्त कुमार बिनवाल* के अनुसार 28 जुलाई से 2 अगस्त तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के 25 प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

बीएल जुवांठा महाविद्यालय में स्वरोजगार प्रोत्साहन के लिए खुलेगा उद्यमिता उत्कृष्टता केंद्र

संवाददाता।

■देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत पढ़ाई के साथ ही छात्र–छात्राएं अपनाएंगे स्वरोजगार

पुरोला। पुरोला के बीएल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययन के साथ साथ देव भूमि उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत अब छात्र–छात्राएं स्वरोजगार के लिए तैयार होंगे।

उद्यमिता विकास को उच्च शिक्षा में प्राथमिकता से संचालित करने को लेकर अहमदाबाद से एक सप्ताह के प्रशिक्षण से लौटकर आये महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 एके तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च शिक्षा को स्वरोजगार से जोड़ने तथा युवाओं में उद्यमिता की ओर आकर्षित करने को लेकर सरकार की देवभूमि उद्यमिता विकास योजना का क्रियान्वयन प्राथमिकता से संचालित किया जा रहा है जिसको लेकर उच्च शिक्षा से जुड़े प्राचार्य व प्राध्यापकों का अहमदावाद में एक सप्ताह का उद्यमिता विकास पर गहन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में एक उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी जिसकी डीपीआर उच्च शिक्षा विभाग को दी गयी है।

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं सहित क्षेत्र के युवा बेरोजगारों को जोड़कर स्वरोजगार की दिशा में जागरूक करने के साथ ही गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे स्थानीय स्तर पर उत्पादित व प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर लघु एवं कुटीर उद्योग स्थापित करने को प्रोत्साहन मिलेगा व स्वरोजगार से आजीविका को समृद्ध करने के साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों से पलायन पर भी अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार कर विभिन्न क्रियाकलाप आयोजित किये जायेंगे व प्रशिक्षण उपरांत युवाओं की प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आध ार पर इच्छुक युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता हेतु भी सार्थक प्रयास किये जाएंगे।

शिक्षा को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास

पुरोला। पुरोला के बीएल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में देव भूमि उद्यमिता विकास योजना के तहत छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाएगा।

उद्यमिता विकास को उच्च शिक्षा में प्राथमिकता से संचालित करने को लेकर अहमदाबाद से एक सप्ताह के प्रशिक्षण से लौटकर आए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एके तिवारी ने बताया कि उच्च शिक्षा को स्वरोजगार से जोड़ने, युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार देवभूमि उद्यमिता विकास योजना चला रही है। महाविद्यालय में उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्राचार्य तिवारी ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं सहित क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में जागरूक करने के साथ ही गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उच्च शिक्षा को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास

पुरोला। बीएल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के तहत छात्रों को स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। उद्यमिता विकास को उच्च शिक्षा में प्राथमिकता से संचालित करने को लेकर अहमदाबाद से एक सप्ताह के प्रशिक्षण से लौटकर आए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एके तिवारी ने बताया कि उच्च शिक्षा को स्वरोजगार से जोड़ने, युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार देवभूमि उद्यमिता विकास योजना चला रही है। महाविद्यालय में उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिसकी डीपीआर उच्च शिक्षा विभाग को दी गयी है। बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों सहित क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में जागरूक करने के साथ ही गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

युवाओं को उद्यमिता के लिये प्रेरित करेंगे

उच्च शिक्षण संस्थानों के 35 फैकल्टी मेंबर ने लिया भाग

भिकियासैंण। उच्च शिक्षा विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के तत्वावधान में विद्यार्थियों एवं युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इसके तहत महाविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस योजना के तृतीय चरण में राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. साबिर हुसैन ने 28 जुलाई से दो अगस्त तक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में उत्तराखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों के 35 फैकल्टी मेंबर ने भाग लिया। उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौटे डॉ. साबिर हुसैन ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में देवभूमि उद्यमिता केंद्र के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। युवाओं व छात्रों को डेयरी फार्म, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन, फ्लोरीकल्चर, कीवी व अन्य फलोत्पादन के लिए प्रेरित किया जाएगा। महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित कर बूट कैंप तथा 12 दिवसीय ईडीपी का आयोजन किया जाएगा।

शहर 30s

प्रशिक्षण से लौटीं डॉ. मोनिका

चौखुटिया। महाविद्यालय चौखुटिया की अंग्रेजी प्रवक्ता डॉ. मोनिका टम्टा ईडीआईआई संस्थान अहमदाबाद में एक सप्ताह की फैकल्टी मेंटर प्रशिक्षण कार्यशाला से लौट आई हैं। वहां उन्होंने उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की थीम में नवाचार, तकनीकी ज्ञान आदि का प्रशिक्षण लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से कॉलेज के छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। वापस आने पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. सविता, डॉ. प्रभाकर त्यागी ने उनका स्वागत किया।

प्रभारी प्राचार्य डॉ0 अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत हुआ एक कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

टिहरी गढ़वाल, अगरोड़ा। शहीद श्रीमती हंसा धनाई राजकीय महाविद्यालय, अगरोड़ा (धारमण्डल) में प्रभारी प्राचार्य डॉ0 अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 अजय कुमार, संयोजक, देवभूमि उद्यमिता योजना के द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को योजना से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई एवं बताया गया कि किस प्रकार छात्र-छात्रायें इस योजना के अन्तर्गत पंजीकरण कर अपने स्वरोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन समिति के सदस्य श्री अमित कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में प्रभारी प्राचार्य महोदय द्वारा छात्र-छात्राओं को क्षेत्रीय संसाधनों का उपयोग कर स्वरोजगार के अवसर के विषय में अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देंगी डॉ. शालिनी

सोमेश्वर (अल्मोड़ा)। हुकुम सिंह बोरा स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय की प्राध्यापिका डॉ. शालिनी के भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से छह दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटने पर महाविद्यालय में उनका स्वागत हुआ।

अहमदाबाद में डॉ. शालिनी को सम्मानित करते आयोजक। स्वयं

प्राचार्य प्रो. अवनींद्र कुमार जोशी ने कहा कि डॉ. शालिनी अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगी। इससे युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

नोडल डॉ. विवेक कुमार आर्या ने कहा कि अब महाविद्यालय में स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र में उद्यमिता विकास योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन होगा। संवाद